हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 16 मार्च 2026

11 जागो ग्राहक जागो के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने...

12 भाजपा कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा...

खाड़ी क्षेत्र में बढ़े तनाव के बीच सप्लाई प्रभावित होने की चर्चा

रसोई गैस की किल्लत से परेशान उपभोक्ता एजेंसियों पर दिनभर लग रहे कतार में

- संडे की छुट्टी छोड़ सिलेंडर के लिए लाइनों में खड़े रहे लोग, महिलाओं को भी करनी पड़ी मशक्कत
- नारनौल की गैस एजेंसियों पर संडे को छुट्टी का दिन होने के बावजूद उमड़ी भीड़, धक्का-मुक्की जैसे हालात

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़े तनाव के मद्देनजर इन दिनों रसोई गैस की सप्लाई को लेकर अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। इसका असर अब स्थानीय स्तर पर भी देखने को मिल रहा है। नारनौल शहर में रविवार को रसोई गैस सिलेंडर लेने के लिए गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दिनभर लोग सिलेंडर लेने के लिए लंबी कतारों में खड़े दिखाई दिए।

वहीं खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की ओर से रविवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सघन छापेमारी की गई। इसके तहत महेंद्रगढ़ और नारनौल में बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 21 सिलेंडर जब्त किए गए। रविवार का दिन आमतौर पर लोगों के लिए आराम और छुट्टी का दिन होता है। कई लोग इस दिन परिवार के साथ समय बिताते हैं, घूमने-फिरने का कार्यक्रम बनाते हैं या फिर आराम से देर तक सोकर छुट्टी का आनंद लेते हैं, लेकिन गैस की किल्लत की आशंका ने इस बार लोगों की दिनचर्या ही बदल दी। छुट्टी का आनंद लेने के बजाय लोग सुबह से ही गैस एजेंसियों के बाहर पहुंचकर सिलेंडर लेने के लिए लाइन में लग गए। शहर में एचपी गैस की देवेंद्रा गैस एजेंसी, जो गर्ल्स आईटीआई के सामने स्थित है, वहां सुबह से ही उपभोक्ताओं की भीड़ लगनी शुरू हो गई थी। देखते ही देखते एजेंसी के बाहर लंबी कतारें लग गईं। कई उपभोक्ता अपने खाली सिलेंडर लेकर लाइन में खड़े दिखाई दिए, जबकि कुछ लोग बुकिंग की स्थिति जानने के लिए भी एजेंसी पहुंचे।

नारनौल। देवेंद्रा गैस एजेंसी पर लगी ग्राहकों की भीड़ व कृष्णा गैस एजेंसी पर लगी उपभोक्ताओं की भीड़। फोटो : हरिभूमि

गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं की भारी भीड़

इसी तरह पुलिस लाइन के सामने स्थित भारत गैस की कृष्णा गैस एजेंसी पर भी पूरे दिन उपभोक्ताओं की भारी भीड़ देखने को मिली। एजेंसी के बाहर बड़ी संख्या में लोग सिलेंडर लेने के लिए इंतजार करते रहे। भीड़ अधिक होने के कारण कई बार धक्का-मुक्की जैसे हालात भी बन गए, हालांकि एजेंसी कर्मचारियों ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया। इसी तरह के हालात इंडेन गैस के कार्यालय एवं नसीबपुर में नहर पर बने गैस गोदाम पर रहे। शहर की अन्य गैस एजेंसियों निजामपुर रोड पर मनु नगर तथा टीवी टॉवर के पास स्थित गैस एजेंसियों पर भी कुछ ऐसे ही हालात रहे। गैस सिलेंडर की जरूरत के कारण आम आदमी खासा परेशान नजर आया। सबसे ज्यादा मुश्किल महिलाओं को झेलनी पड़ी। कई महिलाएं खुद सिलेंडर लेने के लिए एजेंसियों पर पहुंची और लंबी लाइनों में खड़ी दिखाई दीं। गर्मी और भीड़ के बीच घंटों इंतजार करने के बाद ही लोगों को सिलेंडर मिल पाया।

घरेलू गैस बुकिंग के लिए प्रशासन ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने जिले के नागरिकों को आश्वस्त करते हुए बताया कि जिले में एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं है। सबको गैस मिलेगी। ऐसे में जनता किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और पैनिक न हों। कंपनियों द्वारा उपलब्ध करवाए गए आधिकारिक नंबरों पर ही अपनी बुकिंग करवाएं। एचपी गैस के उपभोक्ता 8888823456 पर या मिस्ड कॉल के लिए 9493602222 का प्रयोग कर सकते हैं। इसी प्रकार इंडेन गैस के लिए 7588888824 नंबर और मिस्ड कॉल हेतु 8454955555 जारी किया गया है। भारत गैस के उपभोक्ता बुकिंग के लिए 7718012345 या 7715012345 पर संपर्क कर सकते हैं, जबकि मिस्ड कॉल सेवा के लिए 7710955555 नंबर का उपयोग किया जा सकता है।

यह बोले प्रधान

जिला गैस एजेंसी के प्रधान एवं शहीद लालसिंह इंडेन गैस एजेंसी के संचालक अमित यादव ने बताया कि हमारे पास कल शनिवार के 246 सिलेंडर बचे हुए थे। आज रविवार को गाड़ी नहीं आई, जिस पर बचे हुए सिलेंडर बांटे गए। आज रविवार को भीड़ कुछ ज्यादा थी, जिस कारण कुछ ग्राहक वापस चले गए हैं। अब उन्हें मंगलवार का समय दिया गया है।

लोग बेवजह पैनिक हो रहे

देवेंद्रा गैस एजेंसी के कर्मचारी फूलसिंह ने बताया कि गैस के लिए लोग बेवजह पैनिक हो रहे हैं। अब भी गैस की गाड़ियां बुकिंग के आधार पर शहर की गलियों एवं गांवों में भेजी जा रही है। हमारी एजेंसी पर कल 700 तथा आज रोजाना की तरफ 378 सिलेंडर आए थे, जो सभी वितरित कर दिए गए हैं। गैस रोजाना बांटी जा रही है। उपभोक्ता पैनिक होकर परेशान न हों। बुकिंग कराने उपरांत तीसरे दिन घर गैस भेज दी जाती है। आज ज्यादा उपभोक्ता आ गए थे, जिस कारण लगभग 125 कस्टमरों को मंगलवार की डेट दी गई है।

खबर संक्षेप

आज तीन घंटे बंद रहेगा कोजिंदा पॉवर हाउस

नारनौल। कोजिंदा पॉवर हाउस से जुड़े सभी बिजली उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 16 मार्च को 33 केवी पॉवर हाउस कोजिन्दा में मेन्टेनेंस का काम होगा। निगम कर्मी कुलदीप कुमार ने बताया कि सुबह 8 से 11 बजे तक तीन घंटे बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान बिजली के लिए कोई शिकायत या पॉवर हाउस में लाइट के बारे में फोन करके परेशान न हों।

मुंडिया खेड़ा से 56 वर्षीय व्यक्ति लापता

कनीना। गांव मुंडिया खेड़ा के एक 56 वर्षीय व्यक्ति बाइक से लापता हो गया। इस बारे में सुनील कुमार ने दौंगड़ा अहीर पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि उसका पिता राजकुमार 13 मार्च को दोपहर करीब एक बजे बिना बताए कहीं चले गए। उनके पास बाइक थी तथा मोबाइल फोन बंद है। परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी खोजबीन की है। उन्होंने सुरेश वजीराबाद पर गुप्त स्थान पर छुपाकर रखने का संदेह जताया है। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए शिविर कल

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की ओर से उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु 17 मार्च को विशेष बिजली अदालत व बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय सिंघाना रोड में प्रातः 11 से दोपहर एक बजे तक लगाया जाएगा। अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें व बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। शिविर में 50 हजार से एक लाख तक के बिजली बिल मामलों पर सुनवाई की जाएगी।

कनीना को हलका बनाने की मांग

कनीना। रविवार को बाबा मोलड़नाथ आश्रम प्रांगण में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कप्तान भरपूर सिंह ने की। सभा में कनीना को हलका बनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया। वक्ताओं ने कहा कि हरियाणा के गठन से पहले कनीना हलका था, जिसे बाद में तोड़ दिया गया। 2009 के चुनाव से पूर्व हुए परिसीमन में भी इसे हलका बनाने की मांग की गई थी। आसपास गांवों के ग्रामीणों के साथ भी बैठक की जाएगी। इस मौके पर एडवोकेट विनय यादव, कमल यादव, हरेंद्र शर्मा, मनफूल आर्य, नवीन यादव, देवेंद्र सिंह, कृष्ण कुमार, अनिल यादव, दीपक चौधरी उपस्थित थे।

28 मार्च से सरसों व एक अप्रैल से गेहूं खरीद शुरू करने की चर्चा

सरसों-गेहूं की सरकारी खरीद का लिखित शेड्यूल अब तक जारी नहीं, अधूरी तैयारी

- डीसी अधिकारियों को दे चुके हैं खरीद के दिशा-निर्देश
- अनाज मंडियों में स्टॉफ की बेहद कमी अबकी बार बायोमीट्रिक हुई खरीद तो न ही पहुंची मशीनें और न ही मिला कर्मचारियों को प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

मार्च का पहला पखवाड़ा 15 दिन बीतने के बाद भी जिले में सरसों व गेहूं की सरकारी खरीद का आधिकारिक लिखित शेड्यूल जारी नहीं किया गया है। खरीद कार्य के लिए स्थल उपलब्ध कराने वाली मार्केट कमेटियों को भी अब तक विभाग की ओर से कोई लिखित आदेश नहीं मिले हैं। जबकि उपायुक्त प्रशासनिक स्तर पर मीटिंग लेकर 28 मार्च से सरसों तो एक अप्रैल से गेहूं की सरकारी खरीद चालू करने के दिशा-निर्देश दे चुके हैं। कमाल की चर्चा यह है कि अबकी बार खरीद से पहले मंडी आए किसानों की बायोमीट्रिक हाजिरी की जाएगी, जबकि न तो बायोमीट्रिक मशीनें मंडी पहुंची हैं और न ही इनके उपयोग का कर्मचारियों को कोई प्रशिक्षण दिया गया है। मार्केट कमेटियों में स्टॉफ की कमी भी खरीद तैयारियों में सबसे बड़ा रोड़ा बनी हुई है। ऐसे में मंडियों में जरूरी तैयारियां शुरू नहीं हो सकी हैं और अधिकारी व कर्मचारी संभावित अव्यवस्था को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

दरअसल, रबी फसलों की सरकारी खरीद को लेकर प्रशासनिक स्तर पर लगातार बैठकें और अधिकारियों की वीडियो कांफ्रेंसिंग होती रही हैं। इन बैठकों में खरीद व्यवस्था को लेकर चर्चा जरूर हुई है, लेकिन अभी तक अंतिम निर्णय के साथ कोई औपचारिक लिखित आदेश जारी नहीं किया गया। अधिकारियों के अनुसार प्रदेश में 28 मार्च से रबी खरीद सीजन शुरू करने की चर्चा चल रही है, जिसमें सरसों की खरीद 28 मार्च से और गेहूं की खरीद एक अप्रैल से शुरू करने की योजना बताई जा रही है। हालांकि इस संबंध में सरकार या विभाग की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

इस बार खरीद प्रक्रिया में बायोमीट्रिक हाजिरी लागू करने की भी चर्चा है। योजना के अनुसार किसानों की बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज होने के बाद ही मंडियों में उनकी फसल की खरीद की जाएगी, लेकिन जमीनी स्तर पर इस व्यवस्था को लागू करने की तैयारी अभी अधूरी है। न तो मंडियों को बायोमीट्रिक मशीनें उपलब्ध करवाई गई हैं और न ही कर्मचारियों को इन मशीनों के संचालन का प्रशिक्षण दिया गया है। ऐसे में अगर अचानक से खरीद शुरू होती है तो व्यवस्था संभालना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

नारनौल। अनाज मंडी में बना टीनशेड। फोटो : हरिभूमि

बुनियादी सुविधाएं देना मार्केट कमेटी के कंधों पर

सरकारी खरीद शुरू होने से पहले मंडियों में बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था करना भी मार्केट कमेटियों की जिम्मेदारी है। इसके तहत मंडियों में बिजली, पीने के पानी, शौचालय और मेडिकल हेल्प डेस्क जैसी सुविधाएं उपलब्ध करानी होती हैं, ताकि खरीद के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, लेकिन लिखित आदेश न मिलने के कारण इन व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में भी देरी हो रही है।

यह कहती है मंडी सचिव

मंडी उपलब्ध कराने वाली मार्केट कमेटी का कहना है कि उन्हें अभी तक विभागीय स्तर पर कोई लिखित आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। मार्केट कमेटी की सचिव नुकुल यादव के अनुसार रबी खरीद को लेकर अब तक केवल बैठकों में चर्चा हुई है। हालांकि मंडी किसानों के लिए तैयार है, किंतु स्टाफ की कमी होने के कारण जिम्मेदारियां नहीं बांटी जा सकी हैं। उम्मीद है एचकेआरएन के जरिए जल्दी ही और स्टॉफ मिलेगा।

कर्मचारियों की कमी

मंडियों में कर्मचारियों की कमी भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। कई स्थानों पर पहले से ही स्टाफ सीमित है और यदि एकदम से बड़ी मात्रा में फसल मंडियों में पहुंचती है तो व्यवस्था संभालना मुश्किल हो सकता है। सूत्र बताते हैं कि प्रदेश की मंडियों में इस समय केवल 400 का स्टॉफ ही उपलब्ध है, जबकि इसकी जरूरत 1100 कर्मचारियों की है। यही स्थिति नारनौल एवं जिले की अन्य मंडियों की है।

रबी के रकबे की स्थिति

इस बार मौसम अनुकूल रहने के कारण जिले में सरसों की फसल का उत्पादन बंपर होने की उम्मीद है। किसानों ने बड़े रकबे में सरसों की खेती की है और अच्छी पैदावार की संभावना जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार जिले में करीब 84 हजार 860 किसानों ने लगभग 2 लाख 65 हजार 547 एकड़ भूमि में सरसों की फसल बोई है। सरकार ने सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6200 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। इसी प्रकार गेहूं का समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। इसके अलावा चने का समर्थन मूल्य 5875 रुपये प्रति क्विंटल और जौ का समर्थन मूल्य 2150 रुपये प्रति क्विंटल रखा गया है। जिले में किसानों ने मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर भी अपनी फसलों का पंजीकरण करवाया हुआ है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 22 हजार 216 किसानों ने लगभग 37 हजार 54 एकड़ भूमि में गेहूं की फसल का पंजीकरण कराया है। इसके अलावा 1188 एकड़ में चने तथा 249 एकड़ में जौ की फसल बोई गई है।

प्रशासनिक बैठक हो चुकी

उधर जिला प्रशासन की ओर से रबी खरीद को लेकर संबंधित विभागों के साथ बैठक की जा चुकी है। उपायुक्त ने कृषि विभाग, मार्केट कमेटी और खरीद एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए हैं। बैठक में मार्केट कोऑपरेटिव सोसायटी, हैफेड, स्टेट वेयरहाउस और फूड सप्लाई विभाग के अधिकारियों को भी शामिल किया गया था। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि 28 मार्च से सरसों तथा एक अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू करने की तैयारी रखें, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

नारनौल। नाले की गैस से चूल्हा चलाने का प्रदर्शन करते आप कार्यकर्ता।

पीएम भाषण का विरोध

आम आदमी कार्यकर्ताओं ने किया नाले की गैस का प्रयास

- गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमतों के खिलाफ किया रोष प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

आम आदमी पार्टी के क्रांतिकारी सिपाहियों ने शहर की पुरानी अनाज मंडी के मुख्य गेट पर रसोई गैस के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झूठे जुमलों के खिलाफ और गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमतों के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन के तहत प्रदर्शनकरियों ने मंडी में बने हुए गंदे नाले पर जाकर प्रधानमंत्री के झूठे और मूर्खतापूर्ण जुमलों का मजाक उड़ाते हुए गंदे नाले से गैस बनाने का प्रयास किया। उसके बाद सभी प्रदर्शनकारियों ने मंडी में से गुजरते हुए पदयात्रा की।

ज्योति सैनी और जय सिंह सैनी ने कहा कि मोदी सरकार गैस के मामले में जनता को भ्रमित कर रही है और भ्रमित करने के झूठे आरोप उल्टे विपक्ष पर लगा रही है। भूतपूर्व फौजी करण सिंह और आत्माराम सैनी ने कहा कि मोदी ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बंद कर दी है। घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई की सीमा समय बढ़ा दी है। इन सबके बाद भी पेट्रोलियम मंत्री का कहना है कि गैस सिलेंडर की आपूर्ति की कोई कमी नहीं है। कार्यकर्ता गिरीश खेड़ा, विवेक भटनागर और अजीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ जुमले और झूठी बोल सकते हैं।

निर्माणाधीन मकान से हजारों के बिजली तार चोरी

नारनौल। चोर ने एक निर्माणाधीन मकान को निशाना बनाते हुए हजारों रुपये के बिजली की तार चोरी कर लिए। चोरी की पूरी घटना मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मोहल्ला मीराजी निवासी मुकेश कुमार यादव ने बताया कि वह रेवाड़ी रोड स्थित कैलाश नगर में सड़क के पास मकान का निर्माण करवा रहे हैं। मकान में इन दिनों बिजली की फिटिंग का कार्य चल रहा है। इसके लिए उन्होंने करीब एक लाख 50 हजार रुपये के बिजली की तार खरीदकर मकान में रखी हुई थी, जिसमें से कुछ तार पहले ही फिटिंग में लगाई जा चुकी थी। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह जब वह मकान पर पहुंचे, तो वहां रखी बिजली के तार गायब मिले। मिस्त्री ने बताया कि मौके पर करीब 50 हजार रुपये की वायर रखी हुई थी। शक होने पर उसने मकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जिसमें उसको रात को दो बजकर 50 मिनट पर फुटेज में एक व्यक्ति सीढ़ी लगाकर ऊपर चढ़ जाता है और मकान के अंदर घुस जाता है। कुछ देर बाद वह चोरी की गई तार लेकर उसी सीढ़ी के सहारे नीचे उतरता हुआ भी दिखाई देता है।

शनिदेव मेले में पहुंची महिला से सोने के कुंडल व नकदी ठगे

नारनौल। बीती शाम को शनिदेव के मेले में भाग लेने आई एक महिला से उसके सोने के कुंडल एवं नकदी ठगने का मामला प्रकाश में आया है। इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई है, जिस पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मामराज कॉलोनी निवासी सुशीला देवी वर्तमान में केशव नगर गली नंबर दो के पास रहती हैं। उनके बेटे जोगेंद्र राजपूत ने बताया कि वह शनिवार शाम अपनी मां को शनिदेव के लगने वाले मेले के पास छोड़कर आया था। कुछ देर बाद उसकी मां का फोन आया कि दो युवक उनके सोने के कानों के कुंडल और करीब 1500 रुपये लेकर फरार हो गए हैं। इसके बाद जोगेंद्र ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला से पूछताछ की। पीड़िता सुशीला देवी ने बताया कि मेले से बाहर निकलने के बाद रामानंद राधेश्याम धर्मशाला के पास उसे दो युवक पैदल जाते हुए मिले। दोनों ने बातचीत शुरू की और किसी तरह उसे अपने प्रभाव में लेकर दोनों युवकों ने उसके कानों से सोने के कुंडल उतरवा लिए और उसके पास मौजूद करीब 1500 रुपये भी ले लिए। बाद में दोनों युवक वहां से फरार हो गए। कुछ समय बाद जब महिला को होश आया तो उसने तुरंत अपने बेटे को फोन कर घटना की जानकारी दी। पीड़िता के बेटे जोगेंद्र राजपूत ने थाना में लिखित शिकायत देकर आरोपितों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि करीब एक सप्ताह पहले भी शहर में इसी तरह की वारदात हुई थी। उस समय डाकघर में पेंशन लेने आई महिला के बाहर आते ही स्कूटी सवार दो युवकों ने उसे रोककर उसके कानों के कुंडल और पांच हजार रुपये ठग लिए थे। उस मामले में भी पुलिस के पास एफआईआर दर्ज है।

परीक्षा का आयोजन सरकारी स्कूलों में जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के मार्गदर्शन में किया

जिले में बनाए गए थे 231 परीक्षा सेंटर, जल्द जारी होगा परिणाम

उल्लास योजना : साक्षर बनने के लिए 1526 प्रतिभागियों ने दी परीक्षा, 273 रहे गैर हाजिर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

उल्लास कार्यक्रम के तहत जिले में रविवार को लर्नर्स की आकलन परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में जिले के 1799 में से 1526 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 273 गैर हाजिर रहे। जिसके लिए जिला के सभी खंडों में 231 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे। शिक्षा विभाग का उद्देश्य इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले के सभी लोगों को साक्षर बनाना है। परीक्षा का आयोजन सरकारी स्कूलों में जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के मार्गदर्शन में किया गया। इसका सुचारू संचालन के लिए एक विशेष टीम गठित की गई थी। जिसमें डीसी कैप्टन मनोज कुमार को अध्यक्ष, जिला शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर कौशिक को मेंबर सेक्रेटरी व कार्यकारी जिला गणित विशेषज्ञ संजय कुमार को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था।

नारनौल। साक्षर बनने के लिए परीक्षा में बैठे बुजुर्ग परीक्षार्थी। फोटो : हरिभूमि

20 मार्च तक उल्लास पोर्टल पर अपलोड होगी परिणाम की जानकारी

अधिकारियों के अनुसार, परीक्षा को शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों पर पुख्ता इंतजाम किए गए थे। संबंधित शिक्षकों और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए थे। लर्नर्स की सुविधा को देखते हुए परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे के बीच रखा गया, जिसमें प्रतिभागी अपनी सुविधानुसार किसी भी तीन घंटे की अवधि में परीक्षा में बैठ सके। परीक्षा के परिणाम की जानकारी 20 मार्च तक उल्लास पोर्टल पर अपलोड की जाएगी, ताकि सफल प्रतिभागियों को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान की ओर से बेसिक साक्षरता का प्रमाण पत्र जारी किया जा सके।

क्या कहते है डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर कौशिक ने बताया कि समाज के सभी लोगों को आजीवन सीखने के उद्देश्य से 15 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए रविवार को विभिन्न स्कूलों में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की परीक्षा का आयोजन किया। उल्लास कार्यक्रम भारत सरकार की एक योजना है, जिसका मकसद देश को साक्षर बनाना है। इसे नव भारत साक्षरता कार्यक्रम भी कहा जाता है। इस योजना के जरिए 15 साल से अधिक उम्र के उन लोगों को पढ़ना, लिखना सिखाया जा रहा है, जो किसी वजह से स्कूल नहीं जा पाए। यह योजना केंद्र सरकार के कर्तव्य बोध की भावना पर आधारित है। इसे स्वैच्छिक सेवा के जरिए लागू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उल्लास कार्यक्रम के जरिए बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान, जरूरी जीवन कौशल, व्यावसायिक कौशल, बुनियादी शिक्षा और सतत शिक्षा का विकास किया जा रहा है। उल्लास कार्यक्रम स्वयंसेवा के माध्यम से कार्यान्वित, सामाजिक जिम्मेदारी और कर्तव्य बोध की भावना को बढ़ावा देते हुए शिक्षार्थियों को दीक्षा पोर्टल व उल्लास मोबाइल ऐप के माध्यम से क्षेत्रीय भाषाओं में शैक्षणिक अध्ययन के लिए भी प्रोत्साहित करता है। शिक्षार्थियों व स्वयंसेवी शिक्षकों को दिए जाने वाले प्रमाण पत्र इनके आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, जिससे निरंतर प्रगति होती है।

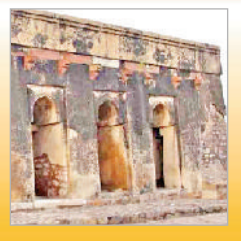

गुजरी महल

अबीर- हरियाणा में कई प्रसिद्ध ऐतिहासिक जगहें मौजूद हैं। हरियाणा की ऐतिहासिक जगहें सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विश्व भर में फेमस है। हिसार में मौजूद गुजरी महल एक प्राचीन और प्रमुख ऐतिहासिक जगह है। इस महल का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया था। बता दें कि ताजमहल की तरह ही ये भी प्रेम की निशानी है। दरअसल, फिरोजशाह तुगलक ने अपनी प्रेमिका गुजरी के लिए इस महल का निर्माण करवाया था। इस महल के अंदर दीवान-ए-आम और बरदारी भवन भी प्रसिद्ध हैं।

लोक संस्कृति के प्रहरी थे महाशय पालेराम

महाशय पालेराम की यह खासियत थी कि वे मंच पर केवल गाते नहीं थे, बल्कि अभिनय, हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों पर प्रहार भी करते थे। इस प्रकार वे मनोरंजन के साथ-साथ समाज सुधार का कार्य भी करते थे। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से वे श्रोताओं के मानस पटल पर ऐसी छाप छोड़ते थे, जो लंबे समय तक स्मृति में बनी रहती थी।

कलाकार
रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की धरती सदैव से वीरों, संतों और लोककलाकारों की जन्मभूमि रही है। इस मिट्टी की खुशबू में जहां शौर्य की गाथाएं रची-बसी हैं, वहीं लोकगीतों की मधुर धुनें भी इसकी आत्मा को जीवंत बनाए रखती हैं। इसी समृद्ध लोकपरंपरा के एक उज्ज्वल नक्षत्र थे महाशय पालेराम। महाशय पालेराम का जन्म 15 मार्च 1954 को हरियाणा के सोनीपत जिले के ऐतिहासिक गांव हलालपुर में एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम चंदराम और माता का नाम किशनी देवी था।

उनका मूल नाम धर्मपाल था, परंतु स्नेहवश लोग उन्हें 'पाले' कहकर पुकारते थे। कालांतर में यही नाम उनकी पहचान बन गया। बचपन से ही उनके मन में संगीत के प्रति गहरी ललक थी। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े पालेराम के जीवन में लोकगीतों, भजनों और रागनियों का वातावरण स्वाभाविक रूप से मौजूद था। गांव की चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में गूंजने वाले भजनों और रागनियों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। संगीत के प्रति विशेष अभिरुचि के कारण उनका मन पढ़ाई में कम ही लगता था, इसलिए उन्होंने आठवीं कक्षा में ही स्कूल छोड़ दिया। पढ़ाई छोड़ने के उपरांत उन्होंने अपने पिता के कार्यों में हाथ बंटाना आरम्भ कर दिया। उन दिनों हलालपुर में जाने-माने गायक बलबीर सिंह के बहुत कार्यक्रम होते थे। जब भी बलबीर सिंह का उनके गांव में आगमन होता, बालक पालेराम का अधिकांश समय उन्हीं के साथ व्यतीत होता। बालक पालेराम के संगीत प्रेम को देखकर बलबीर सिंह ने उन्हें अपना शिष्य बना लिया। इसके बाद पालेराम ने काफी समय तक अपने गुरु के प्रति श्रद्धावनत हो पूर्ण समर्पण के साथ शिक्षा ग्रहण की और संगीत की गहराइयों को आत्मसात किया।

उनका ध्येय मात्र एक लोकगायक बनना नहीं, वरन् एक लोकसाधक बनना था, जिसे कालांतर में उन्होंने बखूबी सिद्ध किया। तदुपरान्त पालेराम ने सन् 1973 में अपनी मंडली बनाकर गायन की शुरुआत की। उनकी गायकी में हरियाणवी बोली की मिठास, लोकजीवन की सादगी और भावनाओं की गहराई स्पष्ट झलकती थी। वे सामाजिक विषयों को भी अपने गीतों में प्रमुखता से स्थान देते थे। उनके गीतों में नैतिकता, भाईचारा, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों का संदेश विद्यमान होता था। इन विशेषताओं के साथ-साथ उनकी हास्य कला अद्भुत थी। इसी कारण वे शीघ्र ही हरियाणा के मूर्धन्य लोक गायकों की श्रेणी में शामिल हो गए। उनके मंच पर आते ही श्रोताओं के चेहरे खिल उठते थे। जब वे रागनी गाते थे, तो श्रोता मंत्रमुग्ध होकर आनंद से झूमने लगते थे। उनकी यह खासियत थी कि वे मंच पर केवल गाते नहीं थे, बल्कि अभिनय, हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों पर प्रहार भी करते थे। इस प्रकार वे मनोरंजन के साथ-साथ समाज सुधार का कार्य भी करते थे। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से वे श्रोताओं के मानस पटल पर ऐसी छाप छोड़ते थे, जो लंबे समय तक स्मृति में बनी रहती थी। उनके पास गायन की सम्मोहक शैली का नायाब जादू था।

उनकी डोल्ली और उनके अंगों की विशिष्ट थिरकन के लोग दीवाने थे। यही कारण है कि उनकी कला ने न केवल जनमानस का मनोरंजन किया, बल्कि लोक संस्कृति को भी समृद्ध किया। धीरे-धीरे उनकी लोकप्रियता हरियाणा की सीमाओं को लांघकर पड़ोसी राज्यों तक फैलने लगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के अनेक स्थानों पर अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जहां भी वे गाते, वहां जनसैलाब उमड़ पड़ता था। उनकी गायकी में लोकसंस्कृति की शुद्धता और गरिमा स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती थी। वे हमेशा शुद्ध हरियाणवी रागनियां गाते थे और कभी भी फूहड़ या अश्लील गीतों का सहारा नहीं लेते थे। उनका मानना था कि लोकसंगीत समाज का दर्पण होता है और इसे मर्यादित रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। वे अक्सर कहा करते थे कि ऐसे गीत गाने चाहिए जिन्हें पूरा परिवार एक साथ बैठकर सुन सके। इसी कारण उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी अश्लील गीत नहीं गाए और इस प्रवृत्ति का खुलकर विरोध भी किया। उनके अनुसार कलाकार का कर्तव्य केवल तालियां बटोरना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देना भी होता है। हरियाणवी रागनी गायन की परंपरा के उस स्वर्णिम काल में अनेक सिद्धहस्त कलाकार अपनी कला का परचम लहरा रहे थे। राजकिशन अगवानपुरिया, मास्टर सतबीर भैंसवालिया, जगबीर कारोरिया, बाऊराम, ब्रह्मानंद, चंदन, बाली शर्मा, रमेश कलावड़िया तथा रणबीर बडवसनिया जैसे अनेक प्रतिष्ठित नाम उस समय रागनी मंच को आलोकित कर रहे थे। ऐसे प्रतिभाशाली कलाकारों के मध्य महाशय पालेराम दहिया ने भी अपने असाधारण गायन कौशल और सशक्त प्रस्तुति के बल पर विशिष्ट पहचान स्थापित की। इन सभी ख्याति प्राप्त फनकारों के साथ उनके अनेक रंगकाट मुकाबले हुए, जिनमें उन्होंने कई बार अपनी कला की विजय पताका फहराते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। यद्यपि उनके मुकाबले लगभग प्रत्येक कलाकार के साथ अत्यंत सफल और लोकप्रिय होते थे, तथापि मास्टर सतबीर भैंसवालिया के साथ उनकी जोड़ी विशेष रूप से दर्शकों के हृदय में बस गई थी। यह अद्वितीय संगति लगभग चार दशकों तक निरंतर मंचों पर अपना जलवा दिखाकर श्रोताओं को रोमांचित करती रही। वह समय ऐसा था, जब उनके प्रशंसकों के बीच इस जोड़ी की लोकप्रियता चरमोत्कर्ष पर थी। ग्रामीण अंचलों में लोग अपने बच्चों के विवाह जैसे शुभ अवसरों पर इनके कार्यक्रम को अनिवार्य मानते थे। इतना ही नहीं, यदि नियत तिथि पर यह युगल उपलब्ध न हो पाता, तो अनेक परिवार अपने बच्चों के विवाह की तिथि तक परिवर्तित कर देते थे, ताकि इन दोनों महान लोकगायकों की सुरमयी प्रस्तुति उनके उत्सव को गौरवान्वित कर सके। महाशय पालेराम के जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि उन्होंने कभी धन को अपनी प्राथमिकता नहीं बनाया। जो भी मान-सम्मान और पारिश्रमिक उन्हें मिलता, उसे वे सहज भाव से स्वीकार कर लेते थे। उनका मानना था कि "कला को बेचा नहीं जाता, कला का प्रचार किया जाता है।" इस विचारधारा के कारण वे लोकसंगीत के क्षेत्र में एक आदर्श कलाकार के रूप में देखे जाते थे। उन्होंने अपने कार्यक्रमों के माध्यम से अनेक मंदिरों, चौपालों और गोशालाओं के निर्माण के लिए चंदा एकत्रित करवाया।

लोक गायन और हरियाणवी लोकसंस्कृति में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित "फौजी जाट मेहर सिंह अवार्ड" से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके लंबे और समर्पित कलात्मक जीवन की सार्वजनिक स्वीकृति थी।

उनके प्रयासों से कई सामाजिक और धार्मिक कार्यों को बल मिला। वे मानते थे कि कलाकार का दायित्व केवल मंच तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उसे समाज के कल्याण में भी योगदान देना चाहिए। उनके अनुसार हरियाणा लोकगायन परंपरा केवल एक कला नहीं, बल्कि सामाजिक परिष्कार का माध्यम है। महाशय पालेराम ने इस परंपरा को जीवित रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे गांव-गांव जाकर कार्यक्रम करते थे और लोगों को अपनी संस्कृति से जोड़ते थे। महाशय पालेराम ने लोक गायकी के माध्यम से न केवल मनोरंजन किया बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक संदेशों को भी जन-जन तक पहुंचाया। उनके द्वारा गाई गई अनेक रागनियां जैसे- हे मानव शुभ कर्म कर्या कर, तेरी काशीजी का रूल, गंगाजी तेरे खेत मैं, तेरी महारानी कै बेटा होग्या, बादल झुकरे बिज्जल पाटैं, साधु सैं घरबारी कोन्या, गिण कै दे लिए बोल, सिर मैं भड़क आंख मैं पाणी, सारी नगरी हे मां मेरी सो रही री- उस दौर की भांति आज भी हरियाणवी लोक संगीत प्रेमियों के बीच उतनी ही लोकप्रिय हैं। उन्होंने आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से भी हरियाणा की लोककला को व्यापक पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनके गाए गीतों के दौर ने हरियाणवी संगीत के प्रसार को एक नई दिशा और गति प्रदान की थी।

उन्होंने एक लोकगायक के रूप में 15,000 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति दी। लोक गायन और हरियाणवी लोकसंस्कृति में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित "फौजी जाट मेहर सिंह अवार्ड" से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके लंबे और समर्पित कलात्मक जीवन की सार्वजनिक स्वीकृति थी। इस पुरस्कार ने उनके योगदान को और अधिक प्रतिष्ठा प्रदान की। "हंसना-हंसाना ही जीवन है" फलसफे के पैरोकार महाशय पालेराम 24 मई 2023 को सदा के लिए हरिचरणों में लीन हो गए। उनका जाना केवल एक व्यक्ति का अवसान नहीं था, बल्कि एक युग का अंत था। उनके साथ हरियाणवी लोकगायकी की एक सशक्त आवाज मौन हो गई। किंतु आज भी हरियाणा सहित उत्तर भारत के अनेक राज्यों के गांवों की चौपालों, मेलों और सांस्कृतिक आयोजनों में जब उनके भजन-रागनियों का उल्लेख होता है, तो लोग श्रद्धा और गर्व के साथ उनका नाम लेते हैं। उनकी सुरीली आवाज और भावपूर्ण गायन शैली श्रोताओं के दिलों में आज भी जीवित है। उनके भजन-रागनी सदैव लोगों की स्मृतियों में रचे-बसे रहेंगे।

लोकप्रियता अक्सर कलाकार को अहंकार की ओर ले जाती है, लेकिन पालेराम का व्यक्तित्व इससे परे था। वे सरल, विनम्र और सहज स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी वाणी में मधुरता थी और व्यवहार में अपनापन। उनके सुर, उनकी शैली, उनकी सादगी और उनका व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने हरियाणा की लोकसंस्कृति को जो ऊंचाई दी, वह सदैव इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। वर्तमान में महाशय पालेराम की इस गौरवशाली एवं समृद्ध सांगीतिक परंपरा को उनके शिष्य नरेन्द्र खरकरामजी, राजेश हाथी, अमित रोहणा, मनदीप मलिक लाख, महेंद्र छारा, धर्मबीर लोवा और सुनील कुमार हलालपुर आदि पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। वे अपने पूज्य गुरुजी की सादगी, सुरों की मधुरता और लोकसंस्कृति के प्रति समर्पित भाव को आत्मसात करते हुए रागनी गायन की उस अमूल्य धरोहर को निरंतर जीवंत बनाए हुए हैं। इस प्रकार वे न केवल अपने गुरुजी की स्मृतियों को सजीव रखे हुए हैं, बल्कि हरियाणवी लोकसंगीत की उस प्रतिष्ठित परंपरा को भी नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

व्यंग्य | पूजा गुप्ता

तड़के का फड़का

आजकल बड़ा ट्रेंड चला है इंस्टाग्राम और यूट्यूब में। फलाने -ढिकाने के चैनल चल पड़े हैं। 'बिना तेल-मसाले के कैसे पकौड़े बनायें', 'सिर्फ दो चीजों से कैसे टेस्टी नाश्ता बनायें' वगैरह-वगैरह। लहसुन के दाम में सुरसा सी महंगाई, इनके बिना भोजन जैसे 'भैरो बाबा का भंडारा।' दावे भी अजब-गजब हैं इन चैनल वालियों के। एक आंटी अपने एक वीडियो में दावा कर रही थी कि 'बिना बेले पूड़िया कैसे तलें!' ये सुनकर दिमाग चकरा गया।

एक दीदी तो एक ग्लास दूध से आधा किलो बर्फी बनाने की बात कर रही थी। मतलब मिठाइयों की दुनिया में इससे बड़ी क्रांति हो ही नहीं सकती थी। एक वीडियो वाली दीदी ने तो हद ही कर दी। 'बिना पनीर के कैसे पनीर की सब्जी बनायें।' मतलब इस दीदी के आगे पीसी सरकार भी फेल। मैंने भी दीदी को पदवी दे ही डाली, 'रसोई के रंगमंथरा दीदी के संग।' एक दिन एक अनजान नंबर से फोन आया कि कृपया लाइक और सब्सक्राइब करें हमारा फूड चैनल.. ! 'स्वादलोलुप कक्की का चौका।'

उसके तुरन्त बाद उसी नंबर से फोन आया तो पता चला कि गांव की 'गप्पी काकी' ने यह चैनल बनाया है। ये वही 'गप्पी काकी' हैं जिनके गप्पे के चलते सास उन्हें सिखाते-सिखाते परलोक सिधार गयीं लेकिन रोटी गोल बेलना नहीं सिखा पायीं। इससे बढ़िया तो घर के तड़के की बात अलग है। जो एक बूंद सरसों के तेल में साबूत लाल मिर्च जलाती है अम्मा, और खंसवा-खंसवा कर हमारी अंतड़ियां मुंह के रास्ते निकलवा देती है। उसके अलौकिक तड़के के सामने सब कुछ फेल ही है। सब कुछ देखने-सुनने के बाद यही निष्कर्ष निकला कि सचमुच 'टीवी वाली दीदी, आंटी की थाली से बेहतर अपनी 'अम्मा की गाली और थाली' ही बेहतर है।

कविता | मनजीत सिंह

अपणा कर्म अपणे आगे

जैसी करणी वैसी भरनी, ये जग का साचा फेरा,
आज बोया सै जो तू, कल काटेगा वो ढेरा,
झूठ की चादर ओढ़ ले चाहे, साच रहै ना हारा,
समय आवे जब हिसाब का, खुल ज्या सारा पसारा।

जीते जी जो बूंद ना दे, प्यासे नै इक घूंट,
मरणे पाछे भोग धरावै, करै दिखावे लूट,
मां-बाप नै तज कै बैठा, जग मैं बनै सयाणा,
ओही बालक कल देखिये, तेरै तै मुँह फेर जाणा।

सगे-संबंधी हाल ना पूछें, जब तक साँस चलै,
दुख की घड़ी मैं दूर खड़े, ना कोई पास मिलै,
मरणे पाछे रोवण लागें, करैं आँसू का नाटक,
मन मैं रत्ती भर दुख ना, बस दिखावे का झटका।

गाँव-गली मैं नाम कमावै, ऊंची-ऊँची बात,
भीतर सै खोखला होवै, झूठी उसकी जात,
कीकर बो कै आम की आस, कैसी ये अंधियाणी,
जैसी धरती वैसा फल दे, ये प्रकृति की कहानी।

कहै मन का साचा दरपन, कर्मां तै मत भाग,
आज नहीं तो काल सही, मिले कर्म का भाग,
तेर-मेर का झगड़ा छोड़ दे, सबका लेखा-जोखा,
ऊपर बैठा देख रह्या सै, ना कोई उसका धोखा।

हर घर की अजब कहानी, हर जीव का अलग फेरा,
पर न्याय की डोरी मजबूत सै, मनजीत ना टूटे ये घेरा,
जैसी करणी वैसी भरनी, मान ले बात सयाणी,
कर्म बिना ना छूटे कोई, यही सै सच्ची बाणी।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

थासन | 15 अगस्त 1857 को भीषण युद्ध में कई क्रान्तिकारी वीरगति को प्राप्त हुए, अंग्रेज सेना के भी काफी सैनिक हताहत हुए

खरखौदा में भी लड़ा गया था अंग्रेजों से रक्त रंजित युद्ध

इतिहास | यशपाल गुलिया

वर्ष 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान हरियाणा क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय युद्ध लड़े गए थे। जैसे सिरसा जिले के ओढा कस्बा और वैरिका गांव, हिसार में मंगाली गांव और बल्ला गांव में, रोहतक, नारनौल व मेवात क्षेत्र में युद्ध लड़े गए।

उसी अवधि में सोनीपत के कस्बे खरखौदा में भी 15 अगस्त 1857 को एक रक्त रंजित युद्ध हुआ था। यह पंजाब कवैलरी नामक बटालियन के बागी रिसलदार बिसारत अली के नेतृत्व में लड़ा गया था। संग्राम के दौरान अंग्रेजों की विशाल सेना दिल्ली की रिज पर डेरा डाले हुए थी। अंग्रेज सेना दिल्ली पर फिर से अधिकार प्राप्त करने के लिए चार मास तक प्रयास करती रही थी। उस मुख्य अंग्रेज सेना को हरियाणा की तरफ से पीछे से आक्रमण होने का खतरा बना रहा था, जिसके लिए अंग्रेज बार-बार दिल्ली को रिज से सैनिक टुकडी भेजकर सेनानियों पर आक्रमण करते थे। उसी क्रम में दिल्ली रिज पर स्थित अंग्रेजों ने खरखौदा में एक सेना भेजी थी। दरअसल, उनको समाचार मिला था कि प्रथम पंजाब कवैलरी के बहुत से बागी घुड़सवार खरखौदा में इकट्ठे हो चुके हैं। तब अंग्रेजों ने दिल्ली से विलियम हड़सन के नेतृत्व में एक उपयुक्त सेना 14 अगस्त 1857 को भेजी। अंग्रेजों द्वारा उस संकलित सेना में 25 सैनिक जीन्द राजा के थे। सेनानियों ने भी उपयुक्त तैयारी कर ली थी, जिनका नेतृत्व बिसारत अली नामक रांघड़ कर रहा था। उसने आसपास के क्षेत्र हसनगढ़ आदि के सहजातीय रांघड़ युवाओं को संगठित कर लिया था। इसी क्रम में रोहतक के किले में बाबर खां रांघड़ के नेतृत्व में सेनानियों की एक सेना इकट्ठी हो गई थी। हालांकि, सभी के संगठित होकर दिल्ली स्थित अंग्रेज सेना पर पीछे से आक्रमण करने की उनकी योजना क्रियान्वित होने से पहले ही अंग्रेजों ने खरखौदा में अपनी सेना भेज दी। इस प्रकार बिसारत अली की सेना व हडसन अंग्रेज की सेना के मध्य 15 अगस्त 1857 को एक भीषण युद्ध हुआ। इसमें बिसारत अली सहित अनेक क्रान्तिकारी वीरगति को प्राप्त हुए तथा अंग्रेज सेना के भी काफी सैनिक हताहत हुए। हडसन अंग्रेज को विजयश्री मिली तथा 16 अगस्त को उसकी सेना रोहतक की ओर कूच कर गई। खरखौदा के युद्ध में चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस प्राप्त हुआ था, जिससे उस युद्ध की भीषणता का आभास होता है। हरियाणा क्षेत्र में लड़े गए युद्धों में वह प्रथम विक्टोरिया क्रॉस था। उसके बाद दो विक्टेरिया क्रॉस नारनौल की सराय में लड़े गए युद्ध में दिए गए थे। इसको कुछ लेखकों ने केवल नसीबपुर का युद्ध लिखा है, जबकि वास्तव में वह युद्ध हुस्ना वाला बाग नारनौल शहर व सराय बालमुकुन्द के अहाते में भी लड़ा गया था। सराय के समीप ही अंग्रेज कमान्डर जेरारड की गोली लगने से मृत्यु हुई थी। खरखौदा युद्ध के बाद 26-27 अगस्त को नजफगढ़ में भी एक भीषण युद्ध हुआ था, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उपरोक्त युद्धों का वर्णन विद्यार्थियों की पाठ्यपुस्तकों में शामिल नहीं किया गया, जबकि ऐतिहासिक 1857 के संग्राम को गदर के नाम से ज्यादा प्रचारित किया गया है। लेखक ने (हरियाणा के अज्ञात युद्ध) नामक अपनी पुस्तक में सभी मुद्दों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया है।

सोनीपत जिले के खरखौदा कस्बे में 15 अगस्त 1857 को हुए भीष्ण युद्ध के दौरान अंग्रेज सेना से भिड़ते क्रान्तिकारी। (सांकेतिक चित्र)

खरखौदा के युद्ध में चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस प्राप्त हुआ था, जिससे उस युद्ध की भीषणता का आभास होता है। हरियाणा क्षेत्र में लड़े गए युद्धों में वह प्रथम विक्टोरिया क्रॉस था।

प्रकृति का चितेरा कलाकार है अमन यादव

चित्रकार | डा. ओमप्रकाश कादयान

जब हम बाग-बगीचों में जाते हैं तो एक से बढ़कर एक सुन्दर पेड़-पौधों, फूलों, पत्तों को देखकर आकर्षित होते हैं। यात्राओं पर जाते हैं तो पहाड़ों, जंगलों, वादियों, नदी, झरनों, झीलों, रंगीन पक्षियों को देखकर प्रफुल्लित हो जाते हैं। कुदरत का ये वो आकर्षण होता है जो सबको आकर्षित किए बिना नहीं रहता। आम आदमी ये नजारे देखकर आल्हादित हो

जाता है तो एक छायाकार प्रकृति के उस सौन्दर्य को स्थाई बनाने के लिए अपने कैमरे में कैद कर लेता है। एक कवि-लेखक अपनी रचनाओं में शब्दों के माध्यम से ढालने की कोशिश करता है, तो एक कुशल चित्रकार रंगों व बुरश के माध्यम से कागज या कैनवास पर चित्रित करके प्रकृति की भांति दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

प्रकृति का चितेरा दक्ष कलाकार जब किसी भी सुंदर दृश्य को कैनवास पर बनाता है तो यथार्थ के साथ-साथ उसमें कल्पनाओं के भी रंग भरकर उसे अधिक मनोहारी बना देता है। प्रकृति की नकल करना इतना आसान नहीं है, किन्तु अनुभवी व रंगों से खेलने वाला कुशल चित्रकार ये कमाल कर देता है। हमारे ही बीच में कुछ कलाकार हैं जो चमत्कारी ढंग से प्रकृति के दिव्य दृश्यों को सजीव-से बना डालते हैं। ऐसे एक कलाकार का नाम है-अमन कुमार यादव।

रेवाड़ी जिले के मुण्डिया खेड़ा गांव में मोहनलाल यादव व सरदारी देवी के घर जन्मा अमन यादव आज कला क्षेत्र का उभरता नाम है। अमन को प्रकृति तथा अपनी सांस्कृतिक विरासत, ग्रामीणांचल से काफी लगाव है। यही कारण है कि

इनके चित्रों के अधिकतर विषय भी यही हैं। युवा चित्रकार अमन के चित्रों में प्रकृति के विभिन्न रूप देखने को मिलते हैं। बहुत से चित्रों में हरी घास के मैदान, लहलहाती फसलें, चहकती-आकर्षित करती सुंदर वादियां, सदाबहार जंगल, देवदार-चीड़ अन्य पहाड़ी दरखतों, झाड़ियों, जड़ी-बूटियों से लदे पहाड़, उससे ऊपर ग्लेशियरों से ढकी चोटियां, चोटियों पर मण्डराते, उमड़ते-घुमड़ते मेघों के समूह, कुछ चित्रों में रंगीन पेड़ों की कतारें, पहाड़ों के बोलते से लगते पत्थर, कहीं बरसात का भीगा मौसम, नभ-मण्डल पर उड़ते पंछियों की कतारें, संध्याकाल में सूर्य की लालिमा दृश्यों को देती स्वर्णिम आभा, सोने के रंग में तब्दील होते ग्लेशियर, ये सब दृश्य इनके चित्रों का हिस्सा हैं। अमन ने अपने चित्रों में हवा को गति, नदियों को वेग, झरनों को संगीत देने का प्रयास किया है। अमन के कुछ चित्रों में तो इतना आकर्षण भरा है कि स्वप्न-लोक-सा लगता है। चित्रकार ने भारतीय पक्षियों की सुंदरता भी कैनवास पर चित्रित की है। इनकी पेंटिंग दर्शकों से सीधा संवाद करती प्रतीत होती हैं। युवा चित्रकार अमन यादव को प्रकृति के साथ-साथ अपनी संस्कृति, गांव-देहात, जन-जीवन, खेत-क्यार, ग्रामीण रीति-रिवाजों से भी विशेष लगाव है। इन्होंने अपने चित्रों में पनघट परम्परा, कुएं-जोहड़, काम करती, पानी भरकर लाती महिलाएं, किसान की संघर्ष गाथा को भी स्थान दिया है। इसके साथ-साथ प्राचीन कलात्मक इमारतें, मंदिर, देवी-देवताओं के चित्र बनाए हैं। हरियाणा में चौपालें, तालाब, छतरियां, कुएं, हवेलियां, किले तथा यहां की लोककला समृद्ध रही है, ये इन्होंने चित्रों के माध्यम से बताने का प्रयास किया है। ये पोट्रेट भी सुंदर बना लेते हैं। कलाकार प्रकृति, संस्कृति के चितेरे के साथ-साथ संवेदनशील प्रवृत्ति के हैं। अमन वैसे तो हर तरह के रंगों को प्रयोग दक्षता पूर्वक कर लेते हैं, पर ये अक्रैलिक ऑयल रंगों का प्रयोग अधिक करते हैं। अमन से ये पूछने पर कि पेंटिंग की शुरूआत कैसे हुई? इसके जवाब में अमन ने बताया कि शुरुआती दौर में उन्होंने गुरु अजीत सिंह तथा प्रताप सिंह रंगीला से प्रेरित होकर सजावटी प्राकृतिक तरीके से ब्रुश चलाना सीखा। फिर मैंने खूब अभ्यास किया और अच्छी पेंटिंग बनती गई। 15 जनवरी 1979 को जन्मे अमन बीएफए की पढ़ाई करने के बाद पेंटिंग करने में जुट गए। इन्होंने गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड के लिए 1391.74 लम्बी पेंटिंग की। 9 मार्च 2019 को भिवानी में आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 13-14 अप्रैल 2019 को रेवाड़ी में आयोजित राष्ट्रीय कला कार्यशाला व रैंप शो में सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार जीता। एक सितम्बर 2016 में 'आरएएस रंग आर्टस' द्वारा आयोजित गांधी आर्ट गैलरी, नई दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी व सह प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 24 नवम्बर 2018 को रेवाड़ी में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान' प्राप्त किया।

ये मिले पुरस्कार और सम्मान

अमन ने राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बेहतर प्रदर्शन किया। इन्हें अनेक जगह सम्मानित किया गया। गिनीज बुक्स ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड पेंटिंग-पीपल आफ मेरठ में इनका नाम शामिल किया गया। इन्हें कला निधि पुरस्कार, शोभा सिंह पुरस्कार, यादव गौरव पुरस्कार, कला रत्न पुरस्कार तथा अचीवमेंट अवार्ड सहित कई सम्मान मिले।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

जागो ग्राहक जागो के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की दिलाई शपथ

नारनौल। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि। फोटोः हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार मिलावटखोरी व कालाबाजारी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उपभोक्ताओं का विश्वास बहाल करने के लिए प्रदेश में एक सुदृढ़ व्यवस्था लागू की गई है। ऐसे में हम सबको अपने अधिकारों के प्रति और अधिक जागरूक रहने की जरूरत है। यह विचार सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी धर्मेंद्र कादियान ने शनिवार को सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। इस अवसर पर सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी अरुण सैनी ने मुख्य वक्ता के तौर पर उपभोक्ताओं के अधिकारों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जागो ग्राहक जागो के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल हुक्मचंद सैनी व राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल पटीकरा के प्रिंसिपल ब्रह्मप्रकाश ने भी छात्रों को उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक किया। विभाग की ओर से निरीक्षक रवि कुमार, निरीक्षक प्रीति, उपनिरीक्षक मनीष गुर्जर, केशव व अशोक ने भी कार्यक्रम में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और विभागीय प्रक्रियाओं की जानकारी साझा की।

जागरूक उपभोक्ता सशक्त समाज की नींव

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धर्मेंद्र कादियान ने कहा कि एक जागरूक उपभोक्ता ही सशक्त समाज की नींव रखता है और इसके लिए उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का ज्ञान होना भी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने जिला स्तर पर उपभोक्ता अदालतों और पारदर्शी प्रणालियों के माध्यम से आमजन के हितों को सुरक्षित करने का कार्य किया है।

यह विद्यार्थी रहे विजेता

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में पीएम श्री जीजीएसएसएस नारनौल की नेहा, जीएसएसएस पटीकरा के गोवेश, जीएमएसएसएस नारनौल की हर्षिता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार पोस्टर मेकिंग में पीएम श्री जीजीएसएसएस नारनौल की कशिश, जीएसएसएस पटीकरा की कनिका व जीएमएसएसएस नारनौल की गजल विजेता रही। वहीं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। इसमें पीएम श्री जीजीएसएसएस नारनौल की रचना, जीएसएसएस पटीकरा की हर्षिका, जीएमएसएसएस नारनौल की प्रियंका सैनी ने बाजी मारी और प्रथम स्थान हासिल किया।

खाद्य एवं पूर्ति नियत्रंक कार्यालय में मनाया विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस

महेंद्रगढ़। खाद्य एवं पूर्ति नियत्रंक कार्यालय में रविवार को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और बाजार में होने वाली धोखाधड़ी के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में निरीक्षक बिरमा देवी ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की बारीकियों पर प्रकाश डाला और कहा कि जागो ग्राहक जागो केवल एक नारा नहीं, बल्कि सुरक्षित भविष्य का आधार है। निरीक्षक ने जोर दिया कि जागरूक उपभोक्ता खरीदारी के समय पक्का बिल लेकर और गुणवत्ता मानकों की जांच करके अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का उद्देश्य आम लोगों तक यह मैसेज देना है कि हर उपभोक्ता के अधिकारों का सम्मान और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही बाजार में होने वाली गड़बड़ियों, धोखाधड़ी और सामाजिक अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने का अवसर भी मिलता है। इसके अलावा इंस्पेक्टर सतबीर ने ने डिजिटल युग में ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान होने वाली धोखाधड़ी से बचने के बारे में जागरूक किया। इस मौके पर बीसी जोशी, महावीर सिंह, अनूप, नवीन, राजकुमार, धर्मपाल, विनोद व नरेंद्र सहित अनेक उपस्थित रहे।

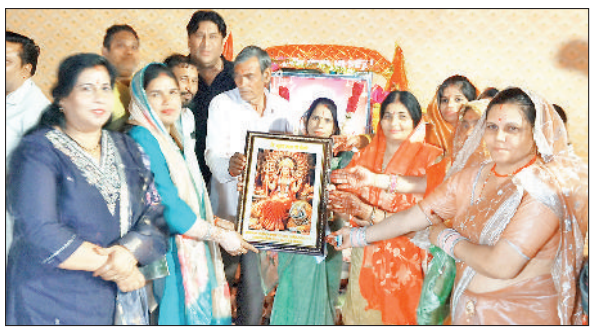

नारनौल। माता की चौकी में यजमान परिवार को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

रावका में जन्मदिन पर माता की चौकी करवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

टाईगर क्लब परिवार के तत्वावधान में शनिवार रात को बंशीलाल सैनी के निवास स्थान मोहल्ला रावका में माता की चौकी का आयोजन किया गया। मुख्य यजमान बंशीलाल सैनी ने माता की चौकी का आयोजन अपनी पोती विधि के जन्मदिन के अवसर पर किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता टाईगर क्लब परिवार के सचिव नरेंद्र बंसी, संरक्षक डॉ. शिवकुमार, जयप्रकाश अग्रवाल, प्रधान राकेश यादव, कैलाश नंबरदार, विजय यादव ने संयुक्त रूप से की। माता रानी की चौकी के मुख्य यजमान बंशीलाल सैनी व उनकी पत्नी मुन्नी देवी, श्रीचंद सैनी सपत्नीक रहे। चौकी संयोजक प्रवीण यादव, सुनील शर्मा, होशियार लखेरा, ललित सैनी, टिटू सोनी, राजेश सैनी, सुरेंद्र यादव ने बताया कि पुरोहित पंडित नारायण शास्त्री ने विधिवत पूजन किया। गणेश वंदना गायकार नरेंद्र बंशी व माता का आह्वान नवीन वशिष्ठ ने किया।

इस अवसर पर संतोष सैनी ने मैया तेरे दरबार की महिमा निराली है, विकास जांगिड़ ने चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, परमानंद वर्मा ने मां वैष्णो का चोला है रंगला, मां शेरांवाली मैया जी मेरे घर आना, पवन सोनी ने सतगुरु मैं तेरी पतंग हवा विच उड़दि जावां, नारायण शास्त्री ने लूट रहा लूट रहा मैया का खजाना लूट रहा रे, नरेंद्र बंसी ने सज धज कर बैठी मां मंद मंद मुस्काए आदि भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तजनों को भाव विभोर कर दिया। राजेश सैनी, सुरेंद्र यादव, प्रवीण यादव, सुनील शर्मा, रवि खन्ना, ललित सैनी, होशियार लखेरा, नारायण शास्त्री, विजय यादव ने यजमान सुनील कुमार को स्मृति चिह्न भेंट किया।

खबर संक्षेप

स्वयंसेवकों ने निकाली जागरूकता रैली

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैलाफ में प्राचार्य लोकेश कुमार के निर्देशानुसार एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धर्मसिंह के नेतृत्व में एक दिवसीय राष्ट्र सेवा योजना कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला एनएसएस समन्वयक चरण सिंह बडेसरा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेवा योजना स्वयंसेवकों को देश व समाजसेवा के लिए तैयार करती है। इससे स्वयंसेवकों में सामुदायिक सेवा व सामुदायिक जिम्मेवारी की भावना उत्पन्न होती है। वे समाज व देश हित के कार्यों के साथ प्राकृतिक आपदा में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कैंप के कार्यों की सराहना की तथा जिले में एनएसएस इकाइयों द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रम व गतिविधियों की प्रशंसा की। कैंप इंचार्ज एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धर्मसिंह ने कहा कि विद्यालय की इकाई की ओर से विभिन्न सामाजिक व जागरूकता के कार्यक्रम एनएसएस की ओर से किए जाते हैं।

कार्यकर्ताओं ने कांशीराम का जन्मोत्सव मनाया

नारनौल। हरियाणा अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ के तत्वावधान में अंबेडकर भवन मालवीय नगर में कांशीराम का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के प्रधान राजपाल गोरा ने की। मंच संचालन महासचिव रामकिशन मरोडिया ने किया। इस अवसर पर समाज के प्रबुद्ध साथियों ने कार्यक्रम में कांशीराम के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों व उनके सामाजिक संघर्षो पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ताओं के रूप में राम सिंह धाकड़, भीमसिंह सूठवाल, राजकुमार निंबल, जयनारायण दुग्गल, भूपसिंह भारती, जयसिंह मांखरिया, सुरेंद्र अंबेडकर, चमनलाल, ओमप्रकाश दायमा, लाजपत, आशा पूनिया, कमल महायच ने अपने विचार रखें।

हसनपुर में नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली

मंडी अटेली। भीम जन चेतना समिति हसनपुर के तत्वावधान में रविवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। समिति के सदस्यों गांव के युवाओं और बच्चों ने गांव की गलियों में रैली निकालकर घर-घर जाकर लोगों को नशा न करने के लिए प्रेरित किया।

रैली के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नशा एक अभिशाप है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति के जीवन परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। नशे की लत से व्यक्ति की सेहत आर्थिक स्थिति और सामाजिक जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए सभी को नशे से दूर रहकर स्वस्थ और जागरूक जीवन अपनाना चाहिए।

माता भूरा भवानी का मेला व भंडारा 27 मार्च को

महेंद्रगढ़। गांव सिसोठ स्थित माता भूरा भवानी मंदिर परिसर में आगामी नवरात्र को लेकर मंदिर कमेटी की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंदिर कमेटी प्रधान संदीप यादव ने की, जबकि संचालन सचिव मा. अनिल कुमार सिसोठिया ने किया। प्रधान संदीप यादव ने बताया कि भविष्य में शीघ्र ही माता भूरा भवानी मंदिर का जीर्णोद्धार करके भव्य मंदिर निर्माण करवाने की योजना है। इसके साथ-साथ रेलवे स्टेशन एवं रेवाड़ी रोड से सिसोठ को आने वाले मार्ग पर माता भूरा भवानी का भव्य द्वार बनवाने की योजना है। प्रधान संदीप यादव ने बताया कि 19 मार्च से शुरू होने वाले नवरात्र में मंदिर की सजावट और लाइट एवं डेकोरेशन करने के लिए संदीप टेंट हाउस के प्रो. मदनलाल को जिम्मेदारी दी गई।

सतनाली में इनेलो कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन

सतनाली मंडी। कस्बे में इनेलो कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। इनेलो महेन्द्रगढ़ हलका प्रभारी दिनेश उर्फ बल्ली शेखावत सतनाली ने बताया कि अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी से जोड़ने व संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से इनेलो पूरे प्रदेश में युवा सम्मेलन व कार्यकर्ता बैठकें आयोजित कर रही है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रणबीर मंढौला ने कहा कि 23 मार्च को जींद के नरवाना में आयोजित होने वाले युवा सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर से लाखों कार्यकर्ता शहीदों को नमन करने व इनेलो की ताकत दिखाने के लिए अनाज मंडी में जुटेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार से हर वर्ग परेशान है। इस दौरान इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला ने मोबाइल के माध्यम से लोगों से संवाद करते हुए कहा कि आज प्रदेश का युवा हताश व निराश है, उनमें हमें नई ऊर्जा भरनी है। इसके लिए 23 मार्च को नरवाना में होने वाला युवा सम्मेलन एक नया अध्याय लिखेगा। इस मौके पर हलका अध्यक्ष लालसिंह तंवर, हलका युवा अध्यक्ष अक्षय जोशी, जयसिंह शेखावत, महिपाल लांबा, तेजपाल शेखावत, कुलवंत डालनवास, बलबीर पिलानिया, ओमप्रकाश, विनोद सिंह, सतपाल भार्गव सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

सतनाली मंडी। बैठक को संबोधित करते पूर्व विधायक रणबीर मंढौला।

आरपीएस विद्यालय में स्कॉलरशिप परीक्षा में उमड़ा छात्रों का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय में रविवार को स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में प्रथम से लेकर कक्षा 9वीं और 11वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों और अभिभावकों के भारी उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विद्यालय परिसर से लेकर सतनाली चौक और खातोद व बलाना गांव तक की सड़कों पर परीक्षार्थियों का तांता लगा रहा। इस परीक्षा की खास बात यह रही कि इसमें केवल स्थानीय छात्र ही नहीं, बल्कि हरियाणा के विभिन्न जिलों और पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में मेधावी छात्र शामिल हुए। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉक्टर पवित्रा राव, सीईओ इंजीनियर मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव व प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि आरपीएस ग्रुप का मूल उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें तराशना है। इस स्कॉलरशिप परीक्षा के माध्यम से चयनित मेधावियों को आगामी शैक्षणिक सत्र के दाखिले में विशेष छूट और वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

महेंद्रगढ़। परीक्षा देकर लौटते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

समाज के हर तबके तक विश्वस्तरीय शिक्षा पहुंचाना लक्ष्य

चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। सीईओ इंजी. मनीष राव ने संकल्प दोहराया कि उनका लक्ष्य समाज के हर तबके तक विश्वस्तरीय शिक्षा पहुंचाना है।

एमआर पब्लिक स्कूल में घोषित किया वार्षिक परीक्षा परिणाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अटेली स्थित एमआर पब्लिक स्कूल में सत्र 2025-26 के वार्षिक परीक्षा परिणाम की घोषणा की। इस अवसर पर प्राचार्य मनोज कुमार ने विद्यार्थियों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा आगामी सत्र की योजना पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास कर रहा है तथा क्षेत्र में आए दिन श्रेष्ठ परिणाम भी दे रहा है। अध्यापकों ने अभिभावकों से मिलकर विद्यार्थियों की रिपोर्ट व्यक्तिगत रूप से भी सांझा की। इस अवसर पर चेयरमैन सियाराम यादव ने विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया तथा साथ में प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए। उन्होंने बताया कि विद्यालय क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए बहुत अधिक अच्छा करने का प्रयास कर रहा है, जिस कड़ी में उन्होंने आकाश इंस्टिट्यूट नई दिल्ली को साथ जोड़कर भी विद्यार्थियों के हित की बात कही। उन्होंने विद्यालय में आए अभिभावकों का धन्यवाद किया तथा भरोसा दिलाया कि विद्यालय विद्यार्थियों की प्रगति के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा। इस मौके पर वाइस चेयरमैन वीरेंद्र सिंह यादव, मैनेजमेंट के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। सभी अध्यापकों ने विद्यार्थियों को इस उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर बधाई दी।

नारनौल। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटोः हरिभूमि

सेवा दिवस के रूप में मनाया डॉ. अभय सिंह का जन्मदिन

नारनौल। पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव का जन्मदिन जिलेभर में मनाया गया। इस अवसर पर समर्थकों व ग्रामीणों ने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। उनके समर्थकों ने कहीं केक काटकर व लड्डू बांटते हुए खुशी का इजहार किया। वहीं नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र व जिले की प्रमुख गौशालाओं में हवन यज्ञ करके व गऊओं के लिए सवामणी लगाई गई। बाबा मुकुन्ददास गोशाला में पंचायत समिति चेयरमैन धौली कर्मपाल यादव की अगुवाई में हवन किया। गांव रामबास व मूसनौता की गोशाला में भी भखरिजा के सरपंच मनोज गुर्जर व निजामपुर सरपंच संगठन के अध्यक्ष विक्रम पहलवान की अगुवाई में सवामणी लगाई।

हांसी जन चेतना रैली में जिले से पहुंचे हजारों कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला के जन्मदिन के अवसर पर हांसी में आयोजित जन चेतना रैली में जिले से हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया और अपने नेता के प्रति सम्मान व्यक्त किया। जेजेपी के जिला प्रवक्ता विजय छिलरो ने बताया कि जिला प्रधान राजकुमार खातोद के नेतृत्व में चारों हनका प्रधान, जिला कार्यकारिणी, युवा कार्यकारिणी व सैकड़ों कार्यकर्ता रैली में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि महिला जिला प्रधान सोनिया धनखड़ सैकड़ों महिलाओं के साथ ढोल नगाड़ों के साथ रैली स्थल पर पहुंची। जिससे पूरे कार्यक्रम में जोश और उत्साह का माहौल बन गया। महिलाओं की बड़ी भागीदारी ने रैली को और भी भव्य बना दिया। युवा जिला कार्यकारिणी व युवा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्यों ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। विजय छिलरो ने कहा कि प्रदेश व राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों तथा सभी सेलों के जिला प्रधान, जिला प्रभारी, कार्यकर्ताओं के सहयोग से यह रैली सफल रही। जिला प्रधान राजकुमार खातोद ने कहा कि जननायक जनता पार्टी का कार्यकर्ता हमेशा जनता की आवाज बनकर उनके हकों की लड़ाई लड़ता रहेगा।

हरीश यादव समाज उत्थान के कार्यों व गोसेवा के लिए तत्पर

गोशाला को दिए पिकअप गाड़ी व 5.11 लाख रुपये

- प्रत्येक व्यक्ति को नेक कमाई से करना चाहिए दान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

गोशाला में गायों की सेवा के लिए कनीना निवासी समाजसेवी हरीश यादव भामाशाह बनकर आए। उन्होंने रविवार को अपने दादा स्वर्गीय गुगनराम यादव की पुण्य स्मृति में गायों की सेवा के लिए श्रीकृष्ण गोशाला की प्रबंध समिति को करीब 7. 65 लाख रुपये मूल्य की नई पिकअप गाड़ी के अलावा 5.11 लाख रुपये की नकद राशि प्रदान की।

हरीश यादव ने कहा कि वे समाज उत्थान के कार्यों व गोसेवा के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को नेक कमाई से दान करना चाहिए। दान न किए जाने पर धन का नाश निश्चित है। भगवान श्रीहरि की कृपा से मनुष्य को दान, धर्म करने का अवसर मिलता है। उन्होंने भविष्य में भी गायों की सेवा करते रहने का आश्वासन दिया। उनके चचेरे भाई सूबेदार मेजर अर्जुन सिंह ने भी अपने पिता स्वर्गीय वीर कुमार शौर्य चक्र की स्मृति में गायों के पीने के पानी व चारे के स्थान निर्माण के लिए 11 हजार रुपये प्रदान किए। एडवोकेट कैलाश गुप्ता ने गोशाला प्रबंध समिति की ओर से हरीश यादव के इस उदार सहयोग की प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दानवीरों के सहयोग से ही गोशालाओं का संचालन और विकास संभव हो पाता है।

कनीना। गोशाला में पिकअप गाड़ी भेंट करते समाजसेवी हरीश। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर गोशाला प्रधान भगत सिंह, सचिव यश कनीनवाल, सहसचिव रामपाल, बलवान सिंह, ओमप्रकाश आर्य, दिलावर सिंह, रविंद्र बंसल, मा. रामप्रताप, राजेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, होशियार, दुलीचंद, सतबीर, राजकुमार, अभय सिंह, युद्धवीर सिंह, नगर पालिका उपप्रधान सूबेसिंह, पार्षद नीतीश गुप्ता, होशियार सिंह, राजकुमार, नरेंद्र फौजी, मनीष कुमार, प्रीतम सिंह, रतनलाल शर्मा, बिजेंद्र यादव, कृष्ण प्रकाश, अशोक पैकन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

यदुवंशी ग्रुप ने किया चेयरमैन छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान यदुवंशी समूह की ओर से रविवार को विभिन्न शाखाओं में चेयरमैन छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में हरियाणा, राजस्थान व आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में मेधावी विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस छात्रवृत्ति परीक्षा में कक्षा पहली से 12वीं तक के परीक्षार्थियों ने प्रतिभागिता की। परीक्षार्थी अपने अभिभावकों के साथ स्वयं के वाहनों से परीक्षा देने पहुंचे।

परीक्षा प्रातः नौ बजे से प्रारंभ होकर एक घंटे चली, जिसमें सभी परीक्षार्थियों ने उत्साह के साथ परीक्षा दी। प्राचार्य नरेश यादव ने बताया कि इस छात्रवृत्ति परीक्षा का उद्देश्य क्षेत्र की छुपी प्रतिभाओं को ढूंढकर उनमें निखार लाना है। साथ ही उन प्रतिभाओं को भी आगे लाना है जो अपने माता, पिता की कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते उत्तम शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं। इस छात्रवृत्ति परीक्षा के माध्यम से क्षेत्र की इन सभी प्रतिभाओं को एक आकर्षक छात्रवृत्ति देकर विद्यालय में गुणवतापरक शिक्षा प्रदान करने का अवसर प्राप्त होगा। चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि क्षेत्र की प्रतिभाओं को निखारने का सपना है।

नारनौल। छात्रवृत्ति परीक्षा देने आए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

प्रतिभा कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते शिक्षा से वंचित न रहे

निदेशिका सुरेश यादव ने बताया कि चेयरमैन राव बहादुर सिंह का भी यही सपना है कि इलाके की कोई भी प्रतिभा कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते शिक्षा से वंचित न रहे। इसलिए वे यदुवंशी ग्रुप की सभी शाखाओं में चेयरमैन छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन करके अपना यह सपना साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

खबर संक्षेप

बाइक छीनने के मामले में 2 आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। थाना नांगल चौधरी पुलिस ने एक राहगीर के साथ मारपीट कर उसकी बाइक छीनने के मामले में दो आरोपित सचिन व मोनू निवासी थनवास को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने इन दोनों आरोपितों को प्रोडक्शन वारंट पर लाकर इस मामले में गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपित पहले से ही लूटपाट के एक अन्य मामले में जिला जेल नसीबपुर में बंद थे। जहां से इन्हें प्रोडक्शन वारंट पर लाकर इस मामले में गिरफ्तार किया गया। आरोपितों ने एक चोरी की वारदात को भी अंजाम दिया था। शिकायतकर्ता ठाकुर निवासी गांव बनेठी ने थाना नांगल चौधरी में दी शिकायत में बताया था कि आठ नवंबर को दोपहर करीब तीन बजे जब वह सांगावाली ढाणी स्थित अपने स्टूडियो से लौट रहा था, तब थनवास में एक निजी स्कूल के पास अज्ञात युवकों ने उसे रोका। आरोपितों ने उसके साथ गाली गलौज व मारपीट की तथा उसके दोस्त की बाइक छीनकर मौके से फरार हो गए।

जींद में 23 को होगी इनेलो की जनसभा: सुधीर यादव

कनीना। इंडियन नेशनल लोकदल की ओर से शहीद भगत सिंह जन्म दिवस के मौके पर 23 मार्च को जींद में आयोजित होने वाली जनसभा ऐतिहासिक होगी। जिसे युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी करण चौटाला सहित पार्टी के सुप्रीमो सम्बोधित करेंगे।

अटेली विधानसभा के युवा प्रभारी एडवोकेट सुधीर यादव ने बताया कि प्रदेश स्तरीय इस युवा सम्मेलन में प्रदेशभर से कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। जींद की नई अनाज मंडी में सभी जिलों से आने वाले कार्यकर्ताओं को पहुंचने में आसानी रहेगी। सुधीर यादव ने कहा कि बीजेपी सरकार में घरेलू गैस की किल्लत रसोईघर के लिए बाधा बन गई है। युवा सम्मेलन में पूरे हरियाणा के सभी जिलों से युवा आएंगे और सरकार की युवा व जनविरोधी नीतियों के खिलाफ हुंकार भरेंगे।

बागवानी : विभाग की आर्थिक मदद और मार्गदर्शन मिलने पर एक ही एकड़ में खाद्यान अनाज, पशुचारा व नकद आमदनी की हूई आपूर्ति

किन्नू की फसल में सब्जी व गेहूं की बुवाई करके किसान ने 3 गुणा बढ़ाई आमदनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ निजामपुर

आवश्यकता ही अविष्कार की जननी है। यह मारोली गांव के छोटे किसान शुभराम ने साबित करके दिखा दिया। इस किसान के पास केवल दो एकड़ जमीन है, लेकिन उन्होंने आधुनिक तकनीक की मदद से एक साथ तीन फसलों की पैदावार लेने का फार्मूला तैयार किया है। एक एकड़ रकबे पर किन्नू की फसल खड़ी करके गेहूं और सब्जी की बुवाई करना आरंभ कर दिया। अब एक साथ खाद्यान अनाज, पशुचारा तथा नकद आमदनी के स्रोत खुल गए। इस तकनीक में बागवानी विभाग की आर्थिक सहायता तथा मार्गदर्शन की बड़ी भूमिका रही है। आपको बता दें कि नांगल चौधरी, निजामपुर ब्लॉक डार्कजोन में शामिल हैं। दोनों खंडों के अधिकांश गांवों में पेयजल संकट बना रहता है। फसल सिंचाई का संकट उत्पन्न होने पर मारोली गांव के किसान शुभराम पुत्र लीलाराम ने आधुनिक तकनीक से खेतीबाड़ी करने की योजना बनाई। इसी दौरान बागवानी विभाग ने गांव में सेमिनार लगाकर कम पानी में पकने वाली फसल उगाने का सुझाव दिया।

निजामपुर। मारोली गांव में किन्नू के पौधों पर कीटनाशक स्प्रे करता किसान शुभराम। फोटो : हरिभूमि

बागवानी फसल से 3 लाख सालाना आमदनी

किसान ने बताया कि खेतीबाड़ी के लिए मात्र दो एकड़ जमीन है। एक एकड़ पर परंपरागत खेती सरसों, बाजरे की बुवाई होती है। इस फसल की पैदावार से करीब 50 हजार वार्षिक आमदनी संभव हो पाती है। जबकि किन्नू, सब्जी व गेहूं की पैदावार से सालाना तीन लाख तक आय होने लगी है।

बागवानी की फसलों से बहुत अच्छा रिस्पांस मिल रहा

जिला उद्यान अधिकारी डॉ. प्रेमसिंह यादव ने बताया कि 2025-26 में जिले में 50 एकड़ जमीन पर बागवानी का टारगेट मिला था। जिसे लगभग अचीव कर लिया है और किसानों को 42 हजार प्रति एकड़ के हिसाब से किसानों को अनुदान राशि दो किस्तों में उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि बागवानी की फसलों से किसानों को बहुत अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

एकीकृत खेती मॉडल से पानी, बिजली और शारीरिक श्रम की हुई बचत

किसान शुभराम ने बताया कि पहले अलग अलग फसलों के लिए अलग सिंचाई, खाद और श्रम की जरूरत पड़ती थी, लेकिन अब एकीकृत खेती मॉडल से पानी, बिजली और मजदूरी तीनों में बचत हो रही है। किन्नू के बाग में नमी लंबे समय तक बनी रहती है, जिससे गेहूं और सब्जियों की पैदावार भी बेहतर होती है। वहीं सब्जियों की त्वरित बिक्री से नियमित नकद आमदनी होने लगी है। इसके अलावा सब्जी व किन्नू की पैदावार की मार्केटिंग करने में परेशानी नहीं रहती।

कार्यकर्ता के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया है प्रशिक्षण अभियान: यतेंद्र राव

भाजपा कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा का दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भारतीय जनता पार्टी मंडल की ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन यादव धर्मशाला में किया गया। जिसमें मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव, मीडिया पैनलिस्ट एडवोकेट राकेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे विशेष रूप से मौजूद रहे। प्रशिक्षण शिविर के संयोजक जगदीश दीवान व रमेश जांगिड़ रहे। सहयोगी के रूप में भूषण मंडल अध्यक्ष मनोज यादव का विशेष सहयोग रहा।

प्रशिक्षण शिविर का आयोजन मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने दीप प्रज्ज्वलन व वंदे मातरम गीत के साथ किया। प्रथम सत्र में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने सोशल मीडिया, एआई, सरल नमो ऐप पर अपने विचार रखते हुए कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल माध्यमों का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

सोशल मीडिया के माध्यम से संगठन की नीतियों, सरकार की योजनाओं और सकारात्मक कार्यों को बहुत तेजी से लोगों तक पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आधुनिक तकनीक का सकारात्मक और प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्य विस्तार की दृष्टि विषय पर दयाराम यादव ने कहा कि भाजपा का संगठन देश के प्रत्येक बूथ तक मजबूत होना चाहिए। भाजपा का इतिहास, विकास व वैचारिक यात्रा पर प्रकाश डालते हुए अजीत कलवाड़ी ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाला एक व्यापक जन आंदोलन है। किशन बोहरा ने संगठनात्मक अनुशासन व कार्यशैली पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन के कार्यक्रमों व अभियानों को पूरी जिम्मेदारी के साथ सफल बनाने का आह्वान किया।

नारनौल। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

उपलब्धियां जन जन तक

संदीप यादव ने कहा कि हरियाणा सरकार ने पिछले वर्षों में विकास व पारदर्शिता के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान कल्याण तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं सफलतापूर्वक लागू की गई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सरकार की इन उपलब्धियां को गांव गांव और घर घर तक पहुंचाने का कार्य करें। डॉ. राकेश ने कहा कि भाजपा की विचारधारा, राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक मूल्यों व समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के सिद्धांत पर आधारित है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म, मानववाद के सिद्धांत को समझते हुए कहा कि यही विचारधारा भाजपा के कार्यों की आधारशिला है। रमेश तंवर ने कहा कि किसी भी चुनाव में बूथ स्तर की मजबूती अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि

यह रहे मौजूद

इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष कमलेश सैनी, भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष भारती सैनी, जोगेंद्र राजपूत, सरोज बाला, जेपी सैनी, मनीष संघी, सपना गुप्ता, सरला यादव, सरोज कश्यप, संजय अमन, सरिता जांगिड़, डॉ. आरके जांगड़ा, जगदीश पासी, अशोक अग्रवाल, सुरेश चौधरी, जगदीश दीवान, मंजू सोनी, राजेश शर्मा, सुरेश गुप्ता, रमेश जांगिड़, महेश सैनी, धीरज अग्रवाल, नरेंद्र सोनी, मनोज निर्मल, आशीष चौधरी, रिया चौहान, देवेंद्र कौशिक, शिवकुमार मित्तल, नवीन शर्मा, भवानी वर्मा, संजय प्रजापत, केशव सैनी, अंकित झिमारिया, मोहन कोहली, निहाल सैनी, ग्यारसीलाल, कृष्ण जैदिया, सुभाष सोनी, नवीन जांगिड़, ओमप्रकाश सैनी, कमल गौड़, लखन अग्रवाल, रवि चौहान, संजय शर्मा, मदनलाल गोगिया, सुरेश संघी, संजय कौशिक, विशन गोयल व रामअवतार गोयल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

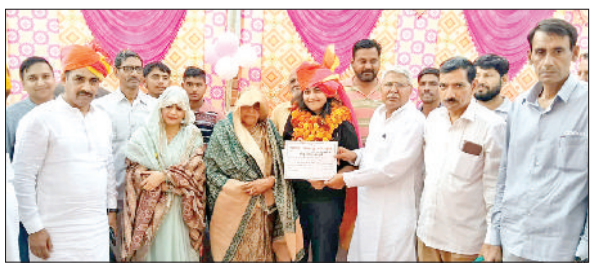

नारनौल। श्वेता तंवर को सम्मानित करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

खेड़ी तलवाना की बेटी श्वेता तंवर बनी भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

वीरभूमि खेड़ी तलवाना की बेटी श्वेता तंवर का भारतीय सेना में सीधे लेफ्टिनेंट पद पर चयन होने पर पैतृक गांव में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट के नेतृत्व में आसपास के ग्रामीणों ने श्वेता तंवर को पगड़ी पहनाकर, प्रशस्ति पत्र व अनेक उपहार भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने श्वेता के पिता मनोज तंवर को पगड़ी पहनाकर व माता योगिता को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

अतरलाल ने कहा कि श्वेता तंवर ने यह शानदार उपलब्धि हासिल कर पूरे समाज व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने लेफ्टिनेंट बनकर सिद्ध कर दिया है कि मेहनत से कोई भी कठिन से कठिन मुकाम हासिल किया जा सकता है। श्वेता तंवर ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता, पिता, परिवार, गुरुजन, कड़ी मेहनत व जुनून को दिया। इससे पहले उन्होंने बाबा भोलागिरी धाम व गांव के धार्मिक मंदिरों में धोक लगाई और शहीद सैनिकों की मूर्तियों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। गौरतलब है कि श्वेता का परिवार सैनिकों का रहा है।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर पंकज सरपंच खेड़ी, रामनिवास बंसल सरपंच तलवाना, कप्तान ओमपाल सिंह, राजेंद्र सिंह नंबरदार, सूबेदार मेजर सुखपाल सिंह, मंजीत सिंह, सुरेश सिंह, रिपुदमन नंबरदार विक्टोरिया क्रॉस, पंडित विजय कौशिक, शिब्बू जैलदार, हंसराज, सरजीत, रामकुमार हेडमास्टर, कैप्टन सूरज, नरेश सेन, रामपाल सोनी, सुरेंद्र नंबरदार, ठाकुर बलजीत सिंह, सुरेन्द्र आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

कैलाश चंद पर सर्वसम्मति, फिर बने महल अनुसूचित जाति विकास मंच के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

महल अनुसूचित जाति विकास मंच के त्रिवार्षिक चुनाव मोहल्ला महल के सामुदायिक भवन में चुनाव अधिकारी जिलेसिंह कालिया सेवानिवृत्त उपजिला शिक्षा अधिकारी, गजानंद दोचानिया एडवोकेट की देखरेख में हुए। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन का भी विशेष सहयोग रहा।

चुनाव प्रक्रिया व परिणाम के संबंध में जयसिंह नारनौलिया ने बताया कि तीन वर्ष पूर्व बनाई गई महल अनुसूचित जाति विकास मंच की गवर्निंग बॉडी को डिजॉल्व करके उसका पुनर्गठन करना था। जिसमें संस्था के पंजीकृत सदस्यों के साथ समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहें।

नारनौल। शपथ लेते नवनियुक्त मंच पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर महल अनुसूचित जाति विकास मंच के प्रधान कैलाश चंद, उपप्रधान पवन कुमार, महासचिव जयसिंह नारनौलिया, सहसचिव गुरुदत्त, कोषाध्यक्ष मनोहर लाल, एक्सक्यूटिव मेंबर्स राधेश्याम, सुरेंद्र कुमार, रमेश कुमार, गोविंद कुमार, बेगराज, कर्मवीर को चुना गया। मंच की गवर्निंग बॉडी के गठन के बाद चुनाव अधिकारियों ने चयनित सभी पदाधिकारियों को निष्ठा से काम करने की शपथ दिलाई। नवचयनित गवर्निंग बॉडी के सदस्यों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को पुष्प माला पहनाकर नमन किया। इस मौके पर गुरु रविदास महासभा के प्रधान बाबूलाल नारनौलिया, सुरेश कुमार, जीतसिंह, ज्ञानचंद, रमेश चंद, दिग्विजय सिंह, गिरधारी लाल, पंकज, नरेंद्र कुमार, दीपक कुमार, विपिन, संदीप, जयसिंह, यादराम, महावीर प्रसाद, जनेश, राजेश प्रभाकर, गोविंदराम, विनोद, राधेश्याम, प्रेमचंद आदि मौजूद थे।

नारनौल। शहर में प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

प्रभातफेरी की भक्ति में डूबी कॉलोनी

नारनौल। श्रीराधा कृष्ण प्रभातफेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 165वीं प्रभात फेरी अजीत जैन व दीपक जैन के सेक्टर हुडा के निवास स्थान से निकाली गई। जिसका शुभारंभ मुख्य यजमान अजीत जैन ने अपने परिवार के साथ राधा रानी की पूजा कर सभी श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाकर किया। प्रभात फेरी में सैकड़ों की संख्या में बच्चे, बुजुर्ग, महिला, पुरुष व युवा श्रद्धालु शामिल हुए। जिन्होंने जो ढोल नगाड़ों की मधुर थाप पर राधे राधे का गुणगान किया। परिक्रमा स्थल पर डॉ. रावत व कलवाड़ी ने ठाकुर जी की आरती की। मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। वातावरण ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन व बरसाना की कुंज गलियां नारनौल में संजीव हो उठी हों। संपूर्ण वातावरण प्रेम, शांति, समर्पण व आनंद के भाव से ओतप्रोत रहा। इसी क्रम में संगठन के तत्वावधान में 22 मार्च को सुरेश चौबे मोहल्ला रावका के निवास स्थान से प्रभात फेरी निकाली जाएगी।

गुजरवास मोड़ के पास स्पीड ब्रेकर व साइन बोर्ड का अभाव

- गुजरवास मोड़ अटेली क्षेत्र का एक व्यस्त स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

नारनौल-रेवाड़ी रोड पर स्थित नेशनल हाईवे 148 पर अटेली के गुजरवास मोड़ के पास सर्विस रोड पर स्पीड ब्रेकर और चेतावनी साइन बोर्ड नहीं होने के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

लोगों का कहना है कि इस मोड़ पर वाहनों की आवाजाही काफी अधिक रहती है, लेकिन सड़क पर किसी प्रकार का चेतावनी संकेत या स्पीड कंट्रोल व्यवस्था नहीं होने से वाहन चालक तेज गति से गुजरते हैं, जिससे हादसे होने की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों के अनुसार गुजरवास मोड़ अटेली क्षेत्र का एक व्यस्त स्थान है, जहां से आसपास के कई गांवों के लोग रोजाना आवाजाही करते हैं। यहां से गुजरवास, अटेली, सिहमा और आसपास के अन्य गांवों के लोग मुख्य मार्ग पर चढ़ते-उतरते हैं।

दोपहिया वाहन, ऑटो, ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य छोटे-बड़े वाहन भी बड़ी संख्या में इस रास्ते से गुजरते हैं, लेकिन मोड़ के पास किसी प्रकार का चेतावनी बोर्ड नहीं होने से बाहरी वाहन चालकों को यह अंदाजा नहीं लग पाता कि आगे मोड़ है, जिसके कारण वे तेज गति से ही वाहन चलाते रहते हैं। मोड़ से रेवाड़ी की ओर लगभग 500 मीटर की दूरी पर अटेली अंडरपास के पास स्पीड ब्रेकर बनाया गया है, लेकिन मोड़ के ठीक पास ब्रेकर नहीं होने से वाहन चालक बिना गति कम किए ही मोड़ पार कर जाते हैं।

मंडी अटेली। नेशनल हाईवे पर गुजरवास मोड़ पर नहीं है ब्रेकर। फोटो : हरिभूमि

हैफेड गोदाम में सरसों के 12 हजार बैग की गड़बड़ी हेर-फेर को लेकर अधिकारी व पुलिस आई हरकत में

कनीना। कनीना के उन्हानी स्थित हैफेड गोदाम में कार्यरत स्टोर कीपर पर सरसों के स्टॉक में 12 हजार बैग गड़बड़ी कर लाखों रुपये का हेर-फेर करने के आरोप लगा है। इस पूरे प्रकरण में अन्य कर्मचारियों का हाथ होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता। अगर गहनता से जांच हुई तो मामले का पूरी तरफ पटाक्षेप हो सकता है। इस बात की भनक लगने पर कनीना सिटी थाना पुलिस ने मौका मुआयना किया है।

हैफेड के डीएम व प्रबंधक ने भी गोदाम पहुंचकर निरीक्षण किया है। सरसों में हेर-फेर मिलने पर उनकी ओर से फिजिकल वेरिफिकेशन की जा रही है। जांच सामने आने के बाद आगामी कार्रवाई अमल में जाएगी। हैफेड के डीएम प्रवीण भारद्वाज व प्रबंधक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि गोदाम पर स्टोर कीपर ऋषि वासी झज्जर की ड्यूटी थी। गोदाम की पीवी की जा रही है। कनीना सिटी थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि हैफेड अधिकारियों से शिकायत मिलने पर प्राथमिक की दर्ज की जाएगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

16वीं बटालियन ब्रिगेड ऑफ द गार्ड्स के पूर्व सैनिकों का सम्मेलन आयोजित

सम्मेलन में देखने को मिली पूर्व सैनिकों और वर्तमान नेतृत्व के बीच भाईचारे की भावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर 16वीं बटालियन ब्रिगेड ऑफ द गार्ड्स के पूर्व सैनिकों की ओर से एक विशेष पूर्व सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन यूनिट के पूर्व सैनिकों सूबेदार मेजर जगबीर सिंह सेवानिवृत्त, मानद कैप्टन वीके कौशिक सेवानिवृत्त, मानद कैप्टन कंवर सिंह सेवानिवृत्त व अन्य साथियों की ओर से किया गया। इस अवसर की विशेषता यह रही कि पूर्व सैनिकों ने अपने यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पवन बोहरा व सूबेदार मेजर सुरेश चंद्र को विशेष रूप से आमंत्रित किया। दोनों अधिकारियों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर पूर्व सैनिकों से मुलाकात की और उनके साथ आत्मीय संवाद किया।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व सैनिकों व वर्तमान नेतृत्व के बीच गहरा जुड़ाव, आपसी सौहार्द और सैनिक भाईचारे की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। यह आयोजन इस बात का प्रतीक था कि यूनिट के सैनिकों के बीच का रिश्ता सेवानिवृत्ति के बाद भी उतना ही मजबूत बना रहता है। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पवन बोहरा ने पूर्व सैनिकों के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि 16वीं बटालियन ब्रिगेड ऑफ द गार्ड्स की गौरवशाली परंपराएं व उपलब्धियां इन्हीं सैनिकों के परिश्रम, अनुशासन और बलिदान का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि यूनिट अपने पूर्व सैनिकों को सदैव अपने परिवार का अभिन्न हिस्सा मानती है। कर्नल बोहरा ने यह भी उल्लेख किया कि वे स्वयं हरियाणा राज्य के भिवानी जिले के निमरीवाली गांव से हैं, इसलिए वे हरियाणा के सैनिकों की परंपरा, गर्व व देश सेवा में उनके महत्वपूर्ण योगदान को भली-भांति समझते हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों में राष्ट्र सेवा के प्रति विशेष गर्व व समर्पण की भावना होती है, यही भावना सेना में उनकी विशेष पहचान बनाती है। उन्होंने पूर्व सैनिकों से नागरिक जीवन में भी अनुशासन, ईमानदारी व सकारात्मक सोच को अपनाते हुए समाज के लिए एक आदर्श नागरिक बनने का आह्वान किया। उन्होंने सभी को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने, सामाजिक बुराइयों से दूर रहने, आपसी सहयोग तथा भाईचारे की भावना बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कर्नल पवन बोहरा ने सभी पूर्व सैनिकों को आगामी अप्रैल में आयोजित होने वाले यूनिट के प्रस्तावित पूर्व सैनिक मिलन समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। पूर्व सैनिकों ने अपने अनुभव साझा किए और यूनिट के साथ अपने अटूट संबंधों को याद किया।

नारनौल। सम्मेलन में भाग लेते पूर्व सैनिक। फोटो : हरिभूमि

एक रहने का संकलप लिया

इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे से मिलकर पुरानी यादें ताजा की और भविष्य में भी इसी प्रकार संपर्क बनाए रखने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम सैनिक परंपराओं, आपसी विश्वास व भाईचारे की भावना का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया, जिसने यह सिद्ध किया कि सैनिक जीवन में बने रिश्ते समय व परिस्थितियों से परे होते हैं।

गोवंश के लिए लगाई सवामणी

नारनौल। श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में श्री गोपाल गोशाला गो सवामणी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पं. मनीष शास्त्री ने यजमान प्रदीप संघी, रेखा संघी, सुरेश शर्मा, पिस्ता शर्मा व संस्था के सभी सदस्यों से श्री गणेश जी, नवग्रह सहित सभी देवी देवताओं का पूजन करवाया व गोमाता की आरती करवाई। इसके बाद हरी सब्जी, हरा चारा सहित खल, मेथी, गुड़, सरसों, तेल, नमक आदि मिलाकर सवामणी तैयार कर गोवंश को खिलाई। इस मौके पर संस्था के वरिष्ठ सदस्य मनोज अग्रवाल, राकेश बंसल, सह कोषाधयक्ष विनोद सोनी, प्रधान महेंद्र नूनीवाला, सुरेन्द्र गोयल, राजकुमार चौधरी, विनोद सोनी, सुरेन्द्र गोयल, राकेश बंसल, महेश भलोठिया, वेदप्रकाश बंसल, सुमित अग्रवाल, पवन शर्मा, तुलसी अग्रवाल, सुरेंद्र गोयल, मंजू भलोठिय, रेखा संघी, मुस्कान अग्रवाल, रमा सोनी, खुशबू अग्रवाल, रचना अग्रवाल, पिस्ता शर्मा, मंजू शर्मा आदि मौजूद थे।